दैनिक
बिहार पत्रिका
सच के साथ

DAINIK BIHAR PATRIKA

शनिवार, 08 अगस्त 2026 | पटना, बिहार से प्रकाशित | वर्ष-05 | अंक-159 | पृष्ठ-04 | मूल्य-₹2.00

ऑपरेशन नार्कोस: बारसोई स्टेशन पर 2 करोड़ की ब्राउन शुगर के साथ अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका । कटिहार

कटिहार रेलमंडल के बारसोई रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेल पुलिस की संयुक्त टीम ने 'ऑपरेशन नार्कोस' के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। गुरुवार देर रात चलाए गए सघन चेकिंग अभियान के दौरान टीम ने करीब 2 करोड़ 4 लाख 80 हजार रुपये मूल्य की 512 ग्राम संदिग्ध ब्राउन शुगर के साथ एक अंतरराज्यीय तस्कर को गिरफ्तार किया है। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार देर रात कुमेदपुर स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-1 पर संयुक्त जांच अभियान चल रहा था। इसी दौरान एक युवक पीले रंग का कैरी बैग लेकर संदिग्ध अवस्था में घूमता दिखाई दिया। आरपीएफ बारसोई के एसआईपीएफ शुभम कुमार और जीआरपी कुमेदपुर की टीम ने उसे रोककर तलाशी ली।

जांच के दौरान जब कैरी बैग की बारिकी से छानबीन की गई, तो उसमें रखे एनर्जी ड्रिंक के पांच टिन कैनों को विशेष रूप से काटा हुआ पाया गया। तस्कर ने इन टिन कैनों के भीतर पारदर्शी पैकेटों में संदिग्ध ब्राउन शुगर छिपा रखी थी। बरामद मादक पदार्थ का कुल वजन 512 ग्राम निकला।

पकड़े गए आरोपी की पहचान पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के 26 वर्षीय राहिल शेख के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से एक मोबाइल फोन और रेल टिकट भी बरामद किया है। पूछताछ में आरोपी ने सनसनीखेज खुलासा करते हुए बताया कि वह इस अवैध खेप को कालियागंज से लाकर कटिहार रेलवे स्टेशन के बाहर एक अन्य व्यक्ति को सौंपने जा रहा था।

जीआरपी ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत संदिग्ध ब्राउन शुगर, टिन कैन, मोबाइल फोन, कैरी बैग और रेल टिकट को जब्त कर लिया है। चूंकि घटना से जुड़े कुछ क्षेत्र बंगाल के अंतर्गत आते हैं, इसलिए आगे की कानूनी कार्रवाई कुमेदपुर रेल थाना में की जा रही है। रेलवे सुरक्षा एजेंसियों की इस बड़ी कार्रवाई से मादक पदार्थों के तस्करों में हड़कंप मच गया है। उल्लेखनीय है कि रेलमंडल में आरपीएफ कमांडेंट संदीप कुमार पीएस के विशेष दिशा-निर्देशों के तहत ट्रेनों और स्टेशनों पर लगातार इस प्रकार के सघन अभियान चलाए जा रहे हैं।

जिलों में हस्तांतरित पंचायत सरकार भवनों को शीघ्र क्रियाशील बनाने तथा नियमित मॉनिटरिंग का सचिव ने दिया निर्देश

दैनिक बिहार पत्रिका । पटना

पंचायती राज विभाग के सचिव मनोज कुमार ने कहा है कि जिन पंचायत सरकार भवनों का हस्तांतरण हो चुका है, उन्हें शीघ्र क्रियाशील बनाया जाए तथा हस्तांतरित एवं क्रियाशील भवनों की निरंतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। यदि किसी पंचायत सरकार भवन को क्रियाशील बनाने में अनावश्यक विलंब होता है तो संबंधित प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी एवं पंचायत सचिव की जवाबदेही तय की जाएगी।सचिव मनोज कुमार शुक्रवार को विकास भवन स्थित कार्यालय में सभी जिलों में विभाग के संबंधित अधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित कर रहे थे।

बैठक में सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिया कि पंचायत सरकार भवनों में कार्यरत कर्मियों का वेतन केवल बायोमीट्रिक उपस्थिति के आधार पर ही भुगतान किया जाए। यदि बिना बायोमीट्रिक उपस्थिति के वेतन भुगतान किया जाता है तो इसकी जवाबदेही संबंधित जिला पंचायत राज पदाधिकारी की होगी तथा आवश्यकतानुसार उनके वेतन से राशि की वसूली की जाएगी।

उन्होंने सभी उप विकास आयुक्तों को निर्देशित किया कि वे स्वयं पंचायत सरकार भवनों का नियमित निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि भवनों में सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों। जहां किसी प्रकार की कमी पाई जाए, वहां संबंधित पदाधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

उन्होंने कथा कि विभाग की सभी योजनाओं की प्रत्येक मानक (पैरामीटर) पर नियमित समीक्षा होगी तथा प्रदर्शन आधारित मॉनिटरिंग की जाएगी। खराब प्रदर्शन करने वाले जिला पंचायत राज पदाधिकारियों एवं प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए शोकॉज जारी किया जाएगा।

समीक्षा के क्रम में मुख्यमंत्री सहयोग पोर्टल पर विभाग से संबंधित मामलों की समीक्षा की गई। बताया गया कि पोर्टल पर विभाग से संबंधित 20,783 मामले दर्ज हुए हैं, जिनमें से 18,620 मामलों का निष्पादन किया जा चुका है, जबकि 1,103 मामलों का नियमानुसार निष्पादन करते हुए अस्वीकृत किया गया है। सचिव ने शेष मामलों का भी शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बैठक में प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को आयोजित होने वाले पंचायत विकास दिवस की भी समीक्षा की गई। सचिव ने कितनी ग्राम सभा आयोजित की हैं और ग्राम सभा से प्राप्त कितने आकांक्षाओं का निष्पादन किया गया, इसकी जानकारी प्राप्त की गई।

बैठक में विभाग द्वारा संचालित मुक्तिधाम शवदाह गृह, कब्रिस्तान के निर्माण कार्य एवं मृत्यु प्रमाण-पत्र निर्गत करने से संबंधित प्रगति की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि 1 अप्रैल 2026 से अब तक 228 निर्माण कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। इसी अवधि में 6,608 अंत्येष्टियों के विरुद्ध 6,273 मृत्यु प्रमाण-पत्र निर्गत किए जा चुके हैं। शेष निर्माण कार्यों एवं लंबित मृत्यु प्रमाण-पत्रों के निर्गमन का कार्य शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में अपर सचिव डॉ. आदित्य प्रकाश, अपर सचिव नजर हुसैन, संयुक्त सचिव मो. वसीम अहमद सहित विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

इनर व्हील क्लब ऑफ गया सनराइज ने बच्चों को स्वस्थ जीवनशैली का दिया संदेश

दैनिक बिहार पत्रिका। गया

इनर व्हील क्लब ऑफ गया सनराइज की ओर से ज्ञान भारती वर्ल्ड स्कूल, गया में कक्षा तीन से छह तक के विद्यार्थियों के लिए 'पोषण एवं स्वस्थ जीवनशैली जागरूकता कार्यक्रम' आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, व्यक्तिगत स्वच्छता तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता विकसित करना था, ताकि वे बचपन से ही अच्छी आदतें अपनाकर स्वस्थ भविष्य का निर्माण कर सकें।

कार्यक्रम के दौरान क्लब की सदस्यों ने विद्यार्थियों को संतुलित भोजन और जंक फूड के बीच का अंतर, पौष्टिक आहार के महत्व, नियमित शारीरिक गतिविधियों, पर्याप्त नींद तथा स्वच्छता के लाभों के बारे में सरल एवं रोचक तरीके से जानकारी दी। साथ ही मधुमेह (डायबिटीज) और उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड प्रेशर) जैसी जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों पर पावर पॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से इनके कारण, बचाव और स्वस्थ आदतों के महत्व को भी समझाया गया।

बच्चों की सहभागिता बढ़ाने के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं विभिन्न शैक्षणिक खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजेता विद्यार्थियों को आकर्षक उपहार देकर सम्मानित किया गया तथा सभी प्रतिभागियों के बीच स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जागरूकता पुस्तिकाएं और पंपलेट वितरित किए गए।

क्लब की अध्यक्ष श्रीमती मधु प्रिया ने कहा कि स्वस्थ जीवनशैली की आदतें बचपन से विकसित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि बच्चे सही खान-पान, नियमित व्यायाम और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहेंगे तो भविष्य में अनेक गंभीर बीमारियों से बचाव संभव होगा। उन्होंने कहा कि क्लब का उद्देश्य बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाने के साथ-साथ उन्हें अपने परिवार और समाज में भी स्वास्थ्य जागरूकता का संदेशवाहक बनाना है।

कार्यक्रम की सफलता में डॉ. तेजस्वी नंदन, डॉ. चरिमा, डॉ. पल्लवी, डॉ. सादिया सूरी, स्वाति, संजना, राखी, रश्मि, नंदनी, दीपाली एवं शाज़िया सहित क्लब की अन्य सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने का संकल्प दिलाया गया।

गोगरी: बाढ़ प्रभावित स्कूलों का एसडीओ ने किया औचक निरीक्षण

दैनिक बिहार पत्रिका। खगड़िया

गोगरी अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) संजय कुमार ने शुक्रवार शाम बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में संचालित कम्युनिटी किचन वाले विद्यालयों का औचक निरीक्षण कर बच्चों की सुरक्षा, मध्याह्न भोजन (एमडीएम) की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं शैक्षणिक व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने का सख्त निर्देश दिया। गोगरी प्रखंड में वर्तमान में कुल 21 कम्युनिटी किचन संचालित हैं। इनमें से एसडीओ ने मध्य विद्यालय गोगरी कुंडी, मध्य विद्यालय गोगरी तारा तथा उत्क्रमित मध्य विद्यालय गोगरी उत्तरी का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय परिसर का भ्रमण कर बच्चों से भी बातचीत की तथा भोजन की गुणवत्ता और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए एसडीओ ने सभी प्रधानाध्यापकों को निर्देश दिया कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि किसी भी बच्चे को विद्यालय परिसर से बाहर नहीं जाने दिया जाए, क्योंकि कई स्थानों पर जलभराव और गड्ढों में पानी भरा हुआ है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। निरीक्षण के दौरान विद्यालयों की साफ-सफाई, मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता तथा कम्युनिटी किचन की व्यवस्थाओं की भी गहन जांच की गई। एसडीओ ने प्रधानाध्यापकों को निर्देश दिया कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराया जाए तथा विद्यालय परिसर को साफ-सुथरा रखा जाए। एसडीओ संजय कुमार ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि बच्चों की सुरक्षा में किसी प्रकार की लापरवाही या दुर्घटना सामने आती है तो संबंधित प्रधानाध्यापक एवं जिम्मेदार पदाधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान एसडीओ के साथ राजस्व कर्मचारी सुजीत कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने विद्यालय प्रबंधन को बाढ़ के दौरान सतर्कता बरतने और बच्चों की सुरक्षा से जुड़े सभी दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

एलआईसी म्यूचुअल फंड ने मुजफ्फरपुर में नई शाखा खोलकर मजबूत की बिहार में अपनी मौजूदगी

दैनिक बिहार पत्रिका । मुजफ्फरपुर

भारत के सबसे भरोसेमंद म्यूचुअल फंड घरानों में एक एलआईसी म्यूचुअल फंड (एलआईसी एमएफ) ने मुजफ्फरपुर में अपनी नई शाखा खोलने की घोषणा की है. इसके साथ ही कंपनी ने बिहार में अपनी जमीनी मौजूदगी को और मजबूत किया है तथा उभरते बाजारों के निवेशकों के लिए म्यूचुअल फंड निवेश को अधिक सुलभ बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाया है. शाखा का उद्घाटन एलआईसी म्यूचुअल फंड एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि कुमार झा ने किया. एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के ताजा भौगोलिक आंकड़ों के अनुसार, बिहार में बाजार से जुड़े निवेश उत्पादों में निवेशकों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है. राज्य के औसत म्यूचुअल फंड एयूएम में इक्विटी योजनाओं की हिस्सेदारी 81 प्रतिशत है. इक्विटी आधारित निवेश के प्रति इस मजबूत रुझान से बाजार से जुड़े निवेश के विकल्पों में बढ़ती रुचि का पता चलता है. यह राज्य में म्यूचुअल फंड निवेश की पहुंच को और व्यापक बनाने का अवसर प्रदान करता है. एलआईसी म्यूचुअल फंड एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि कुमार झा ने इस अवसर पर कहा, ''मुजफ्फरपुर शाखा का उद्घाटन बिहार में एलआईसी म्यूचुअल फंड की मौजूदगी को मजबूत करने और टियर-3 शहरों के निवेशकों तक म्यूचुअल फंड निवेश को पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. उत्तर बिहार का एक महत्वपूर्ण व्यावसायिक केंद्र होने के कारण मुजफ्फरपुर निवेशकों की भागीदारी और जागरूकता बढ़ाने के लिए एक बड़ा अवसर प्रदान करता है. इस क्षेत्र में एलआईसी एमएफ के 9,979 निवेशक और 527 म्यूचुअल फंड वितरकों का नेटवर्क है, जो निवेशकों और वितरण साझेदारों के साथ हमारी सहभागिता को और मजबूत करने के लिए एक मजबूत आधार उपलब्ध कराता है. हमारा प्रयास जमीनी स्तर पर अपनी मौजूदगी और डिजिटल पहलों के माध्यम से निवेश को अधिक सरल और सुलभ बनाना है. साथ ही हम अधिक से अधिक निवेशकों को जल्द निवेश शुरू करने, नियमित निवेश करने और दीर्घकालिक संपत्ति सृजन के लिए प्रेरित करना चाहते हैं.''

डीएसपी म्यूचुअल फंड ने निवेशकों से की अपील, मल्टी एसेट फंड चुनने के तरीके पर दोबारा विचार करें

दैनिक बिहार पत्रिका । मुंबई

मल्टी एसेट फंड निवेशकों की वास्तविक सर्च आदतों पर आधारित अभियान का उद्देश्य उन सवालों के जवाब देना है, जिन्हें निवेशक अक्सर निवेश करने से पहले नजरअंदाज कर देते हैं।

डीएसपी म्यूचुअल फंड ने मल्टी एसेट एलोकेशन श्रेणी के लिए एक नया डिजिटल केंपेन शुरू किया है। इसका उद्देश्य निवेशकों को हाल में मिले रिटर्न से आगे बढ़कर यह समझ बढ़ाने के लिए प्रेरित करना है कि इन फंडों की किसी निवेश पोर्टफोलियो में क्या भूमिका होती है। यह अभियान इस आकलन पर आधारित है कि मल्टी एसेट एलोकेशन फंडों में निवेशकों की रुचि तेजी से बढ़ी जरूर है, लेकिन कई निवेशक अपनी पड़ताल की शुरुआत इस श्रेणी से जुड़ी अलग-अलग उम्मीदों के साथ करते हैं कि आखिर ये फंड किस तरह का लाभ देने के लिए बनाए गए हैं। एम्फी (AMFI) के अनुसार, जनवरी-मार्च 2026 तिमाही के दौरान इक्विटी-आधारित स्कीम में हुए कुल शुद्ध निवेश (नेट इनफ्लो) में मल्टी एसेट एलोकेशन फंडों की हिस्सेदारी 27% रही। यह पिछली तिमाही में 21% और पिछले वर्ष की इसी अवधि में केवल 6% थी। डीएसपी म्यूचुअल फंड में भी इस वर्ष मल्टी एसेट एलोकेशन फंडों में लेन-देन करने वाले निवेशकों की संख्या पिछले साल के मुकाबले तीन गुना बढ़ गई है। जैसे-जैसे निवेशकों की भागीदारी बढ़ी, डीएसपी ने देखा कि कई निवेशक इस श्रेणी का मूल्यांकन मुख्य रूप से हालिया रिटर्न के आधार पर कर रहे थे। वे पहले यह समझने की कोशिश नहीं कर रहे थे कि मल्टी एसेट एलोकेशन फंड आखिर होते क्यों हैं। इससे निवेशकों की अपेक्षाएं इन फंडों की वास्तविक भूमिका से मेल नहीं खातीं। बाजार की परिस्थितियां बदलने पर उनके निराश होने या समय से पहले निवेश से बाहर निकलने की संभावना बढ़ जाती है। यह समझने के लिए कि निवेशक इस श्रेणी को किस तरह देखते हैं, डीएसपी ने निवेशकों द्वारा किए गए 100 से अधिक सर्च प्रश्नों का विश्लेषण किया। सवाल अलग-अलग थे, लेकिन व्यापक रूप से वे दो अलग-अलग सोच को दर्शाते थे। पहला, जिसे डीएसपी ने 'रिटर्न सीकर्स' नाम दिया। मल्टी एसेट एलोकेशन फंडों को मुख्य रूप से हालिया प्रदर्शन के नजरिए से देखता था। उनके सवाल रिटर्न, रैंकिंग और मौजूदा बाजार परिस्थितियों के आधार पर इस श्रेणी के फंड में निवेश करना ₹फायदेमंद है या नहीं₹ जैसे विषयों पर केंद्रित थे। दूसरा समूह, जिसे 'डाइवर्सिफायर्स' कहा गया, इस श्रेणी को अलग नजरिए से देखता था। उनके सवाल पोर्टफोलियो बनाने, उसमें विविधता विविधीकरण (डाइवर्सिफिकेशन) लाने, एसेट एलोकेशन और अलग-अलग बाजार चक्रों में मल्टी एसेट एलोकेशन फंड किस तरह मदद कर सकते हैं, इस समझ पर आधारित थे। यह समझने के बाद कि दोनों तरह के निवेशक अलग-अलग जवाब तलाश रहे हैं, डीएसपी ने इस अभियान को दोनों सोच के अनुरूप तैयार किया। हर निवेशक को एक जैसा संदेश देने के बजाय फंड हाउस का यह अभियान उन्हें उनकी सर्च की मंशा के आधार पर अलग-अलग सामग्री तक पहुंचाता है। इसमें जो निवेशक रिटर्न पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं, उन्हें निवेश से पहले इस श्रेणी की भूमिका और उससे जुड़ी अपेक्षाओं को समझने के लिए प्रेरित किया जाता है। विविधता को समझने वाले निवेशकों को यह बताया जाता है कि किस प्रकार अलग-अलग एसेट क्लास मिलकर अधिक मजबूत और टिकाऊ निवेश पोर्टफोलियो बनाने में मदद करते हैं। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग किया गया है। इसकी मदद से निवेशकों के सर्च व्यवहार का विश्लेषण करने और बड़े पैमाने पर उनके सवालों को व्यवस्थित करने में किया गया। इससे यह अभियान अलग-अलग निवेशकों की जरूरतों के अनुरूप अधिक सार्थक तरीके से जवाब दे सके। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यह था कि निवेशकों के उन्हीं सवालों का जवाब देना, जो वे वास्तव में पूछ रहे हैं, न कि यह मान लेना कि हर निवेशक को एक जैसी जानकारी चाहिए। यह अभियान डिजिटल सर्च, महानगरों और देश के शीर्ष 20 शहरों में डिस्प्ले विज्ञापनों, सोशल मीडिया तथा ऑडियो प्लेटफॉर्म पर चलाया जाएगा। इनमें गूगल, मेटा, लिंक्डइन, एक्स, स्पॉटिफाई, रेड एफएम, रेडिट, टिकरटेप और क्रेड जैसे प्लेटफॉर्म शामिल हैं। इसका उद्देश्य निवेशकों को उस समय से एकीकृत अनुभव उपलब्ध कराना है, जब वे इस श्रेणी के बारे में जानकारी जुटाना शुरू करते हैं। अभियान के बारे में बात करते हुए डीएसपी म्यूचुअल फंड में हेड (डायरेक्ट एंड इंस्टीट्यूशनल मार्केटिंग) मनीष राठी ने कहा, ₹जब हमने यह विश्लेषण किया कि निवेशक मल्टी एसेट एलोकेशन फंडों के बारे में किस तरह सर्च कर रहे हैं, तो हमें पता चला कि सभी निवेशक एक जैसा जवाब नहीं खोज रहे थे। कुछ लोग हालिया रिटर्न का मूल्यांकन कर रहे थे। कुछ यह समझना चाहते थे कि यह मल्टी असेट क्लास उनके निवेश पोर्टफोलियो में किस तरह शामिल हो सकती है। हर किसी से एक जैसी बात करने के बजाय, हम चाहते थे कि हमारा संवाद उनके अलग-अलग शुरुआती नजरिए पर केंद्रित रहे। यह अभियान निवेशकों को बेहतर सवाल पूछने और यह समझने में मदद करता है कि मल्टी एसेट एलोकेशन फंड वास्तव में किस उद्देश्य के लिए बनाए गए हैं तथा उनसे क्या यथार्थवादी अपेक्षाएं रखी जानी चाहिए। इसी से यह माना जाएगा कि यह अभियान अपने उद्देश्य में सफल रहा।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस : बुनकरों का सम्मान, हमारी संस्कृति का अभिमान — प्रकाश राम पटवा

दैनिक बिहार पत्रिका । गया

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर मगध बुनकर कल्याण सेवा समिति के अध्यक्ष एवं जिला नागरिक परिषद, गया के उपाध्यक्ष श्री प्रकाश राम पटवा ने देशभर के सभी बुनकर भाई-बहनों को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई दी।

उन्होंने कहा कि भारतीय हथकरघा केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध संस्कृति, परंपरा और विरासत का जीवंत प्रतीक है। बुनकर अपने अद्वितीय कौशल, सृजनशीलता और अथक परिश्रम से देश की सांस्कृतिक पहचान को विश्वभर में गौरवान्वित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हथकरघा उद्योग से जुड़े बुनकरों एवं शिल्पकारों के तकनीकी सशक्तिकरण, कौशल विकास तथा आर्थिक समृद्धि के लिए निरंतर प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से स्वदेशी हथकरघा उत्पादों को अपनाने और बुनकरों का अधिक से अधिक सहयोग करने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में नागरिक परिषद के उपाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह , नागरिक परिषद के सदस्य ज्योति दांगी, बिहार प्रदेश बुनकर कल्याण सेवा समिति के अध्यक्ष गोपाल पटवा, भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय कुमार सिंह अरुण कुमार सिंह इत्यादि मौजूद रहे।

खगड़िया:आधा दर्जन मामले में फरार पीएम यादव गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका । खगड़िया

जिले की मानसी पुलिस ने आधा दर्जन मामले में फरार पीएम यादव को गिरफ्तार कर शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। उसके विरुद्ध मानसी थाना में हत्या के प्रयास, छिनतई, आर्म्स एक्ट आदि के आधा दर्जन मामले दर्ज है। पीएम यादव उर्फ प्रेम उर्फ प्रियम स्थानीय चुकती गांव निवासी अरविंद यादव का पुत्र है। थानाध्यक्ष दीपक कुमार ने बताया कि पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। फरार नामजदों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है।

खबर एक नजर

एक भारत श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम भारत की सांस्कृतिक विविधता में निहित एकता को सुदृढ़ करने की एक महत्त्वपूर्ण पहल- प्राचार्य

दैनिक बिहार पत्रिका ,गया जी। केंद्रीय विद्यालय संगठन, पटना संभाग के तत्वावधान में आयोजित संकुल स्तरीय द्वि-दिवसीय ₹एक भारत श्रेष्ठ भारत एवं कला उत्सव–2026₹ का शुभारंभ आज पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1, गया में अत्यंत गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ है।इस कार्यक्रम के प्रथम दिवस उद्घाटन समारोह का आयोजन दीप प्रज्वलन एवं गणेश वंदना के साथ हुआ है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेंद्र कुमार सिजुआर (शास्त्रीय एवं अर्धशास्त्रीय गायक, गया एवं बनारस घराना), विशिष्ट अतिथि श्री शिशिर सौरभ श्रीवास्तव, सहायक आयुक्त, सीजीएसटी, गया तथा श्रीमती (डॉ) स्वाति सक्सेना, प्राचार्या, यूरो किड्स पब्लिक स्कूल, गया रहे हैं। विद्यालय के प्राचार्य अशोक कुमार गुप्ता ने तीनों अतिथियों एवं निर्णायक मंडल का हरित पौधा एवं अंगवस्त्र भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया है। अपने प्रेरणादायी संबोधन में प्राचार्य अशोक कुमार गुप्ता ने कहा कि ₹एक भारत श्रेष्ठ भारत₹ कार्यक्रम भारत की सांस्कृतिक विविधता में निहित एकता को सुदृढ़ करने की एक महत्त्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि कला उत्सव विद्यार्थियों की सृजनात्मक प्रतिभा के विकास, भारतीय कला एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण तथा राष्ट्रीय एकता एवं भावनात्मक समरसता को सुदृढ़ करने का प्रभावी मंच है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा एवं अनुशासित सहभागिता के लिए शुभकामनाएँ प्रदान कीं है। इस द्वि-दिवसीय संकुल स्तरीय आयोजन में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-2, ओ.टी.ए., गया, पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय जहानाबाद, पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय राजगीर, पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय सासाराम, केंद्रीय विद्यालय औरंगाबाद, केंद्रीय विद्यालय नबीनगर तथा केंद्रीय विद्यालय बाराचट्टी के प्रतिभागी विद्यार्थी एवं अनुरक्षक शिक्षक उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं।इस उद्घाटन समारोह के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों एवं प्रतिभागियों को भावविभोर कर दिया है। देशभक्ति, भारतीय संस्कृति तथा लोक परंपराओं पर आधारित प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में विशेष गरिमा एवं आकर्षण का संचार किया है। आज की प्रतियोगिताओं के निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण मूल्यांकन हेतु मनीष कुमार, कुमार रजनीश, चंद्रशेखर कुमार, सुष्मिता बोस, ऋषि कुमार तथा सुश्री तान्या बनर्जी ने निर्णायक के रूप में अपनी सेवाएँ प्रदान की है। इस कार्यक्रम का संचालन सुव्यवस्थित एवं गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के द्वितीय दिवस विभिन्न कला-विधाओं, जैसे संगीत, नृत्य, चित्रकला एवं अन्य रचनात्मक विधाओं में प्रतिभागी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। समारोह के अंत में मुख्य अतिथि, निर्णायक मंडल ,प्रतिभागियों, अनुरक्षक शिक्षकों तथा आयोजन समिति के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया गया है।

हड़ताल के बाद स्वच्छता का महाअभियान: गया नगर निगम ने सफाईकर्मियों से तुरंत काम संभालने की अपील

दैनिक बिहार पत्रिका , गयाजी। नगर निकायों में पिछले एक सप्ताह से जारी हड़ताल गुरुवार को सरकार और कर्मचारी संगठनों के बीच हुई सफल वार्ता के बाद समाप्त हो गई। हड़ताल खत्म होने के साथ ही गया नगर निगम प्रशासन ने सभी सफाईकर्मियों एवं अन्य कर्मियों से तत्काल अपने दायित्वों का निर्वहन शुरू करने और पूरे शहर में विशेष सफाई अभियान चलाने की अपील की है। वे शहर में हड़ताल के दौरान प्रभावित हुई सफाई व्यवस्था को जल्द से जल्द सामान्य करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। नगर निगम की ओर से जारी अपील में कहा गया है कि शहर के विभिन्न वार्डों, मुख्य सड़कों, गलियों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर जमा कूड़े-कचरे का तत्काल उठाव किया जाए। सभी सफाईकर्मियों से आग्रह किया गया है कि वे पूरी जिम्मेदारी और समर्पण के साथ सफाई कार्य में जुटें, ताकि शहर को जल्द से जल्द स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाया जा सके। साथ ही नियमित रूप से झाड़ू लगाने, कचरा संग्रहण एवं नालियों की सफाई का कार्य भी पूर्व की तरह सुचारु रूप से संचालित किया जाए। नगर निगम ने कहा है कि गया विश्वप्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन नगरी है और आगामी माह से शुरू होने वाला विश्वप्रसिद्ध पितृपक्ष मेला शहर के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण आयोजन है। इस दौरान देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु पिंडदान एवं धार्मिक अनुष्ठानों के लिए गया पहुंचते हैं। ऐसे में स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित शहर की छवि बनाए रखना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी उद्देश्य से सफाई व्यवस्था को पूरी क्षमता के साथ बहाल करने की दिशा में पहल की जा रही है। प्रशासन ने सभी सफाई निरीक्षकों, वार्ड प्रभारियों एवं संबंधित अधिकारियों से भी अपील की है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सफाई अभियान की सतत निगरानी करें और यह सुनिश्चित करें कि कहीं भी कूड़े का जमाव न रहे। आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त संसाधनों और वाहनों की मदद से भी सफाई कार्य को गति देने की बात कही गई है, ताकि कम समय में पूरे शहर की स्वच्छता व्यवस्था पूरी तरह पटरी पर लौट सके। नगर निगम ने शहरवासियों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि वे कचरा निर्धारित स्थानों पर ही डालें, खुले में कूड़ा फेंकने से बचें तथा स्वच्छता बनाए रखने में नगर निगम का साथ दें। नगर निगम ने यह भी स्पष्ट किया है कि सफाई कार्य अत्यावश्यक सेवाओं के अंतर्गत आता है। इसलिए यदि कोई कर्मी जानबूझकर सफाई कार्य में बाधा उत्पन्न करने का प्रयास करता है या अत्यावश्यक सेवा को प्रभावित करता है, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार एवं विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। हड़ताल समाप्त होने के बाद नगर निगम को उम्मीद है कि सभी सफाईकर्मी पूरी निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे और आने वाले दिनों में गया शहर एक बार फिर स्वच्छ, व्यवस्थित और श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार नजर आएगा।

नवमी पुण्यतिथि पर याद किए गए डॉ के पी यादव, गयावासियों ने दी श्रद्धांजलि

दैनिक बिहार पत्रिका ,गया। हरिदास सेमिनरी स्थित सभागार हॉल में शहर के लकवा एवं पोलियो रोग के लब्ध प्रतिष्ठित होम्योपैथिक चिकित्सक रहे डॉ के.पी यादव की नवमी स्मृति समारोह बड़े ही श्रद्धा के साथ मनाई गई है। इस अवसर पर गीत- संगीत और कवियों की महफिल सजी। सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ महापौर गणेश पासवान, पूर्व डिप्टी मेयर मोहन श्रीवास्तव, संतोषानंद जी महाराज, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ सच्चिदानंद प्रेमी, डॉ राम सिहासन सिंह, डॉ वीरेंद्र कुमार सहित मंचासीन अतिथियों ने स्वर्गीय केपी यादव के तैलीय चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान दिवंगत वरिष्ठ साहित्यकार गोवर्धन प्रसाद सदय के द्वारा लिखित 'तीन तीर्थ' नामक पुस्तक का लोकार्पण किया गया। केपी यादव की स्मृति में रोटरी क्लब को एक शव वाहन भेंट किया गया। स्वागत वक्तव्य में डॉ वीरेंद्र कुमार ने आगत सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने पिता की स्मृतियों को साझा किया। उन्होंने कहा कि हमारे पिता डॉ केपी यादव व्यक्ति नही विचार थे। उन्होंने चिकित्सकीय कार्यो के साथ निस्वार्थ पूर्वक समाज की सेवा की। उनके द्वारा किए गए कार्य हमें मार्गदर्शन के तौर पर सदैव आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। उनकी नवमी पुण्यतिथि पर बारंबार नमन करता हूं। होम्योपैथिक चिकित्सा जगत में उनके नाम आज पूरे बिहार राज्य में ही नहीं बल्कि अन्य प्रदेशों में भी है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ रामसिंहासन सिंह ने कहा की डॉ के.पी यादव जी के अच्छे गुण और चरित्र हमारे जीवन के बेहद करीब है और उनमें मानवीय मूल्य निहित थे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमें डॉ के. पी यादव की सम्मिलित स्मृतियों से आगे बढ़कर उनके बताए हुए मार्गों पर चलना चाहिये। आज उनकी स्मृतियों को उनके पुत्र डॉ वीरेंद्र यादव ताजा कर रहे हैं। उनकी विरासत को संभाले हुए हैं।

डॉ सच्चिदानंद प्रेमी ने ने कहा की डॉ केपी यादव गरीबों के मसीहा थे। एक संस्मरण सुनाते हुए उन्होंने कहा कि जिनके पास इलाज के लिए रूपए-पैसे नहीं होते थे, उनका वह निशुल्क इलाज करते थे। ऐसे चिकित्सक काफी कम ही होते हैं।

गोगरी अनुमंडलीय अस्पताल में ग्रामीण चिकित्सकों को डेंगू समेत संक्रामक रोगों के बचाव का दिया गया प्रशिक्षण

दैनिक बिहार पत्रिका। खगड़िया

जिले के गोगरी अनुमंडलीय अस्पताल परिसर में स्वास्थ्य विभाग, बिहार सरकार के तत्वावधान में ग्रामीण चिकित्सा सेवा समन्वय समिति के सहयोग से ग्रामीण चिकित्सकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुमंडलीय अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. चंद्रप्रकाश बाबू ने की। प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत चिकित्सकों को मौसमी एवं संक्रामक बीमारियों की समय पर पहचान, उपचार, बचाव तथा मरीजों को उचित स्वास्थ्य संस्थान तक रेफर करने की प्रक्रिया से अवगत कराना था। प्रशिक्षण के दौरान डेंगू, चिकनगुनिया, कालाजार, क्षय रोग (टीबी), टायफाइड, मलेरिया सहित अन्य संक्रामक रोगों के लक्षण, संक्रमण के कारण, बचाव के उपाय तथा सरकारी स्तर पर उपलब्ध उपचार सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि बरसात के मौसम में डेंगू और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में ग्रामीण चिकित्सकों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि अधिकांश मरीज सबसे पहले उनके पास ही पहुंचते हैं। कार्यक्रम में डब्ल्यूएचओ मॉनिटर संजय कुमार ने वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम एवं जागरूकता पर विस्तार से जानकारी दी। वहीं वीबीडीएस के ओमप्रकाश कुमार यादव ने मलेरिया और कालाजार नियंत्रण कार्यक्रम की जानकारी साझा की। बीएचएम रूपक कुमार एवं बीसीएम नीतू कुमारी ने सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं, रोगियों की स्क्रीनिंग, समय पर जांच एवं रेफरल व्यवस्था के संबंध में चिकित्सकों को प्रशिक्षित किया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. चंद्रप्रकाश बाबू ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए इस प्रकार के प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने ग्रामीण चिकित्सकों से अपील की कि किसी भी गंभीर मरीज को समय पर सरकारी अस्पताल भेजें तथा लोगों को स्वच्छता, मच्छर जनित रोगों से बचाव और नियमित स्वास्थ्य जांच के प्रति जागरूक करें। प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्रामीण चिकित्सा सेवा समन्वय समिति के प्रखंड अध्यक्ष अमित कुमार एवं नगर परिषद अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार पासवान ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ग्रामीण चिकित्सक स्वास्थ्य व्यवस्था की अहम कड़ी हैं। उनके बेहतर प्रशिक्षण से ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को समय पर उचित सलाह और प्राथमिक उपचार मिल सकेगा। इस अवसर पर ग्रामीण चिकित्सक संजय कुमार, दिलीप कुमार, गणेश कुमार, रंजीत कुमार, पंकज शर्मा, मुकेश यादव, मुकेश कुमार निराला, राजनीति मालाकार, पुलिस पटेल, शंभू यादव, मुकेश मिश्रा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण चिकित्सकों ने प्रशिक्षण में भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी चिकित्सकों से स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए जनस्वास्थ्य के प्रति सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया।

रामपुर ग्राम कचहरी में इस बार भूतपूर्व सैनिक की धर्मपत्नी करेंगी ध्वजारोहण

दैनिक बिहार पत्रिका। खगड़िया

गोगरी। रामपुर ग्राम कचहरी में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इस वर्ष भी पंचायत की परंपरा का निर्वहन करते हुए वयोवृद्ध नागरिक द्वारा ध्वजारोहण कराया जाएगा। इसे लेकर गुरुवार को ग्राम कचहरी परिसर में आयोजित बैठक में पंचों एवं जनप्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से स्वर्गीय भूतपूर्व सैनिक सुरेश कुमार साह की धर्मपत्नी 60 वर्षीय शकुंतला देवी का चयन किया। चयन के बाद ग्राम कचहरी के सदस्यों ने शकुंतला देवी को फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया तथा 15 अगस्त को आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण के लिए औपचारिक आमंत्रण पत्र सौंपा। सरपंच नूर आलम ने बताया कि रामपुर ग्राम कचहरी में प्रत्येक वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पंचायत के वयोवृद्ध नागरिक को ध्वजारोहण का सम्मान दिया जाता है। इसी परंपरा के तहत इस वर्ष भी सर्वसम्मति से शकुंतला देवी का चयन किया गया है। उन्होंने कहा कि यह पहल समाज के वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और उनके योगदान को याद करने का प्रतीक है। बैठक में ग्राम कचहरी सचिव सोनी प्रियंका, पंच दीपनारायण ठाकुर, कैलाश साह, निरंजन पंडित, मुकेश साह, रवि कुमार, वार्ड सदस्य अनिल पंडित, श्याम रजक, दिलीप साह सहित कई पंच, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने शकुंतला देवी को शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

"डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम अंतर्गत गुरुवार से जिले में प्रचार प्रसार अभियान की हुई शुरूआत

दैनिक बिहार पत्रिका। पूर्णिया

जिले में जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी (डीआईओ) डॉ विनय मोहन के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसबा में ₹डायरिया से डर नहीं₹ कार्यक्रम के तहत, समुदाय में डायरिया के प्रति लोगों में जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पीएसआई इंडिया और केन्वयू के सहयोग से संचालित प्रचार वाहनो को हरी झंडी दिखाकर उद्घाटन किया गया। यह प्रचार वाहन जिला के हाई रिस्क प्रखंड सहित शहरी क्षेत्रों का भ्रमण करना और प्रचार वाहनों में बज रहे डायरिया रोको संदेश को प्रचारित करने का काम 31 अगस्त तक करने की शुरुआत की गई है। इस मौके पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कसबा के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी पूर्णिया, जिला पीएसआई से प्रोग्राम मैनेजर पंकज कुमार राय, एफपीसी अस्मिता कुमारी, डीसी यूनिसेफ शिव शेखर सिंह, बीसीएम कंचन कुमारी, बीएचएम कसबा सहित जिला स्वास्थ समिति और जिला प्रतिरक्षण कार्यालय के कर्मी एवं प्रखंडों से आए अन्य स्वास्थ्य कर्मी आशा/ए एन एम आदि उपस्थित हुए। जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी (डीआईओ) डॉ विनय मोहन ने कहा कि बच्चों के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में डायरिया जैसी बीमारियों पर सामाजिक जागरूकता के माध्यम से प्रभावी नियंत्रण संभव है। इसके लिए डायरिया प्रबंधन एवं रोकथाम के बारे में आवश्यक जानकारी दी जा सकती है। लोगों द्वारा समय पर डायरिया की पहचान होने और स्वास्थ्य केंद्रों पर उपचार कराने से लोग डायरिया ग्रसित होने से सुरक्षित रह सकते हैं। प्रशिक्षण के अंत में सभी प्रतिभागियों को डायरिया प्रबंधन से संबंधित सूचना सामग्री का भी वितरण किया गया जिसे स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा क्षेत्र में जरूरतमंद लोगों को उपलब्ध कराते हुए डायरिया से सुरक्षित रखा जा सकेगा।

मीटिंग के दौरान पीएसआई इंडिया के प्रोग्राम मैनेजर पंकज कुमार राय द्वारा स्वास्थ्यकर्मियों को डायरिया के लक्षणों की पहचान, ओआरएस और जिंक के सही उपयोग, बच्चों में डिहाइड्रेशन की पहचान तथा घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करने के तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही यह भी बताया गया कि डायरिया जैसी बीमारी से घबराने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि समय पर सही इलाज और सावधानी से इसे आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है। कार्यक्रम में बताया गया कि साफ-सफाई, सुरक्षित पेयजल का उपयोग, हाथ धोने की आदत और बच्चों को समय पर ओआरएस एवं जिंक देना डायरिया से बचाव के महत्वपूर्ण उपाय हैं। आशा एवं एएनएम को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में घर-घर जाकर लोगों को इन उपायों के बारे में जागरूक करें और डायरिया के मामलों में तुरंत आवश्यक उपचार उपलब्ध कराएं। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने संकल्प लिया कि वे अपने क्षेत्र में "डायरिया से डर नहीं" अभियान को प्रभावी रूप से लागू करेंगे और समुदाय को स्वस्थ रखने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

9 माह से मानदेय नहीं मिलने पर भड़के आवास कर्मी, तीन दिन में भुगतान नहीं हुआ तो 'नो पे, नो वर्क' की चेतावनी

दैनिक बिहार पत्रिका। पूर्णिया

विगत नौ माह से मानदेय का भुगतान नहीं होने से नाराज आवास कर्मियों ने सरकार एवं ग्रामीण विकास विभाग की कार्यशैली पर गहरा रोष जताया है। बिहार राज्य आवास कर्मी संघ के पूर्णिया जिलाध्यक्ष राकेश कुमार ने कहा कि जिले के सभी आवास कर्मी लंबे समय से बिना मानदेय के कार्य कर रहे हैं, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट और भुखमरी जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। उन्होंने कहा कि मानदेय नहीं मिलने के कारण कई कर्मियों के बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो गई है। कई परिवारों में एक समय का भोजन जुटाना भी मुश्किल हो गया है, जबकि बीमार परिजनों का इलाज भी आर्थिक तंगी के कारण नहीं हो पा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार और विभाग की मानवीय संवेदनाएं समाप्त होती दिखाई दे रही हैं। राकेश कुमार ने कहा कि पंचायत स्तर पर जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने वाले आवास कर्मी आज स्वयं संकट में हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि तीन दिनों के भीतर सभी लंबित मानदेय का भुगतान नहीं किया गया, तो जिले के सभी आवास कर्मी 'नो पे, नो वर्क' (मानदेय नहीं, तो कार्य नहीं) के सिद्धांत पर कार्यों का पूर्ण बहिष्कार करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार एवं विभाग की होगी। आवास पर्यवेक्षक सुधांशु भारद्वाज ने कहा कि विभाग लगातार आवास कर्मियों के साथ अन्याय कर रहा है, जिसे अब किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि विभाग अपने ही आश्वासनों से पीछे हट जाता है, जिससे आवास कर्मी लगातार गुमराह हो रहे हैं।

संघ के वरिष्ठ कोषाध्यक्ष महेश कुमार पासवान ने कहा कि बिना मानदेय के लगातार कठिन कार्य लेने से कर्मियों की कार्यक्षमता और सेवा भावना प्रभावित हो रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रत्येक माह नियमित रूप से मानदेय का भुगतान नहीं किया गया तो विभाग की महत्वाकांक्षी एवं जनकल्याणकारी योजनाएं भी प्रभावित होंगी।

संघ के कोषाध्यक्ष विकास कुमार जायसवाल ने कहा कि मानदेय भुगतान नहीं होने से आवास कर्मियों का धैर्य जवाब दे रहा है। यदि समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो पूरे जिले में व्यापक आंदोलन किया जाएगा। संघ के सक्रिय सदस्य ओशो विवेक, वरुण कुमार, नागेन्द्र कुमार सिंह, तोहिद आलम, नवीन यादव, रोशन कुमार, अंकित कुमार, रमेश मंडल, कैलाश यादव, धीरेन्द्र कुमार, अभिजीत कुमार, शमशाद आलम, रंजीत चौधरी, विक्रम कुमार, बिनोद कुमार दास, अभय कुमार, नीरज कुमार, नितेश कुमार, नईम अख्तर, एवं निशांत अब्दुल्लाह ने आरोप लगाया कि विभाग आवास कर्मियों से दबाव और मानसिक प्रताड़ना के बीच लगातार कार्य ले रहा है, लेकिन समय पर मानदेय भुगतान नहीं कर रहा है। उन्होंने नियमित भुगतान की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। जिलाध्यक्ष राकेश कुमार ने ग्रामीण विकास विभाग पर आरोप लगाते हुए कहा कि विभाग के प्रेस नोट में स्पष्ट उल्लेख है कि योजना मद अथवा कंटीजेंसी मद में राशि उपलब्ध नहीं होने पर आवास कर्मियों का मानदेय राज्य संसाधन मद से भुगतान किया जाएगा। इसके बावजूद विभाग कंटीजेंसी मद में राशि के अभाव का हवाला देकर भुगतान टाल रहा है, जो लिखित आदेशों की अवहेलना और आवास कर्मियों के आर्थिक, मानसिक एवं शारीरिक शोषण का उदाहरण है।उन्होंने कहा कि सरकार और विभाग की यह संवेदनहीनता हजारों आवास कर्मियों एवं उनके परिवारों की आजीविका पर गंभीर संकट पैदा कर रही है। संघ का स्पष्ट कहना है कि यह सरकार की असंवेदनहीनता का प्रमाण है, जिससे हज़ारों कर्मियों की आजीविका और उनका भविष्य दांव पर लग गया है। यदि 3 दिनों के भीतर मानदेय निर्गत नहीं हुआ, तो पूर्णिया जिले में विभागीय कामकाज पूरी तरह ठप कर दिया जाएगा।

गया में स्किल का नया हब शुरू! Infratech Skill Verse का भव्य शुभारंभ

दैनिक बिहार पत्रिका। गया

गया शहर में युवाओं के बेहतर भविष्य की दिशा में एक नई और महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत हुई है। व्हाइट हाउस, मिर्ज़ा ग़ालिब कॉलेज के पीछे स्थित एस.एन. बिल्डिंग में Infratech Skill Verse Pvt. Ltd. का भव्य उद्घाटन किया गया। इस मौके पर बॉलीवुड अभिनेता प्रेम संथालिया और 'जूनियर शाहरुख खान' ने संयुक्त रूप से फीता काटकर संस्थान का शुभारंभ किया। उद्घाटन समारोह में संस्थान के सीईओ मोहम्मद फ़ज़ल रहमान, तसवीन सर, पल्लव सर, शाने अली खान समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने संस्थान का निरीक्षण किया और यहां उपलब्ध कराई जा रही आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं की जानकारी ली। बॉलीवुड अभिनेता प्रेम संथालिया ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल डिग्री नहीं, बल्कि तकनीकी ज्ञान और व्यावहारिक प्रशिक्षण ही युवाओं को बेहतर रोजगार दिला सकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि Infratech Skill Verse गया और आसपास के युवाओं के लिए नए अवसरों का द्वार साबित होगा। वहीं 'जूनियर शाहरुख खान' ने कहा कि सही प्रशिक्षण और उचित मार्गदर्शन मिलने पर युवा अपने हुनर के दम पर देश और विदेश में बेहतर पहचान बना सकते हैं। उन्होंने संस्थान की पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए इस पहल की सराहना की। संस्थान के सीईओ मोहम्मद फ़ज़ल रहमान ने बताया कि Infratech Skill Verse का मुख्य उद्देश्य युवाओं को इंडस्ट्री की मांग के अनुरूप रोजगारपरक प्रशिक्षण देना है। यहां Industrial Safety, Fire Safety, HSE, Oil & Gas Safety, Construction Safety, Petrochemical Safety, First Aid, Emergency Response, Risk Assessment और Permit to Work जैसे प्रोफेशनल कोर्स संचालित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को केवल थ्योरी तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि प्रैक्टिकल ट्रेनिंग, इंडस्ट्री एक्सपोजर, इंटरव्यू प्रिपरेशन, करियर काउंसलिंग और प्लेसमेंट असिस्टेंस जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से कक्षाएं तथा जरूरतमंद छात्रों के लिए हॉस्टल सुविधा भी दी जाएगी।

कार्यक्रम के दौरान युवाओं के कौशल विकास, सुरक्षित कार्य संस्कृति और रोजगार के बढ़ते अवसरों पर भी चर्चा हुई। उपस्थित अतिथियों ने इस संस्थान को गया के युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण और उपयोगी पहल बताते हुए इसकी सफलता की कामना की।

बाली के इन मंदिरों को देखे बिना नहीं होगी इंडोनेशिया की ट्रिप पूरी

यदि बाली में सर्वश्रेष्ठ हिंदू मंदिर की बात की जाए, तो उसमें तनाह लोट मंदिर का नाम अवश्य लिया जाता है। तनाह लोट मंदिर एक पर्यटन स्थल के रूप में बहुत लोकप्रिय है। तनाह लोट मंदिर समुद्री क्षेत्र में एक बड़ी मूंगा चट्टान पर बना है।

जब भी बाली घूमने की बात होती है, तो यकीनन सबसे पहले वहां के शानदार बीचेस को एक्सप्लोर करने का ही ख्याल मन में आता है। लेकिन यहां का प्राकृतिक सौंदर्य जितना बेहतरीन है, उतने ही आकर्षक है यहां पर स्थित मंदिर। प्राचीन बाली में कई मंदिर ऊंचे इलाकों और तटों पर स्थित हैं, जो शानदार सदियों पुरानी वास्तुकला को समेटे हुए हैं। भले ही आप स्वभाव से धार्मिक हों या ना हो, लेकिन फिर भी आपको इन मंदिरों में एक बार जरूर जाना चाहिए। यह मंदिर आपको बाली के सांस्कृतिक पक्ष से रूबरू होने का मौका देते हैं, साथ ही साथ मंदिर के पीछे की दिलचस्प इतिहास को जानकर यकीनन बेहद रोमांचित होंगे। तो चलिए आज हम आपको बाली में स्थित कुछ बेहतरीन मंदिरों के बारे में बता रहे हैं-

तनाह लोट मंदिर

यदि बाली में सर्वश्रेष्ठ हिंदू मंदिर की बात की जाए, तो उसमें तनाह लोट मंदिर का नाम अवश्य लिया जाता है। तनाह लोट मंदिर एक पर्यटन स्थल के रूप में बहुत लोकप्रिय है। तनाह लोट मंदिर समुद्री क्षेत्र में एक बड़ी मूंगा चट्टान पर बना है। तनाह लोट मंदिर क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए केवल तभी पहुँचा जा सकता है जब समुद्र का पानी कम हो। समुद्र के ज्वार के समय तनाह लोट मंदिर समुद्र के बीच में स्थित प्रतीत होता है। तनाह लोट मंदिर जाने का सबसे अच्छा समय सूर्यास्त से पहले दोपहर का है। दर्शन के बाद आप यहां पर सूर्यास्त भी अवश्य देखें। तनाह लोट में सूर्यास्त का दृश्य अद्वितीय और बाली में सबसे सुंदर दृश्यों में से एक है।

उलुवातु मंदिर

उलुवातु मंदिर को बाली के लोगों द्वारा पुरा लुहुर उलुवातु भी कहा जाता है और यह बाली में छह मुख्य हिंदू मंदिरों में से एक है। उलुवातु मंदिर अपनी वास्तुकला की विशिष्टता के अलावा, उलुवातु मंदिर स्थान एक बहुत ही खड़ी चट्टान के किनारे पर स्थित है और चट्टानों की समुद्र तल से लगभग 70 मीटर की ऊँचाई है। यहां पर सूर्यास्त के दृश्य के अलावा, उलुवातु मंदिर स्थान से पर्यटक हिंद महासागर के दृश्यों को भी देख सकते हैं। यहां पर आप बाली के डांस भी अवश्य देखें, क्योंकि बाली में एकमात्र स्थान जो सूर्यास्त के दौरान बाली केकक नृत्य पेशकश करता है वह उलुवातु मंदिर में है।

उलुन दानू बेरातन मंदिर

एक झील में एक स्वर्ग, वही वास्तव में उलुन दानू है। बेदुगुल में बेराटन झील के पश्चिमी किनारे पर स्थित, यह एक प्रसिद्ध फ्लोटिंग टेम्प्ल है, और बाली आने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए एक मनोरंजक स्थान है। इसकी संरचना के अलावा, यहाँ का शांत वातावरण और पॉजिटिविटभ् आपके मन, शरीर और आत्मा को फिर से जीवंत करने के लिए एकदम सही हैं। इंडोनेशिया के बाली के सभी मंदिरों में से यह सबसे शांत मंदिरों में से एक है।

बेसकिह मंदिर

बाली के सभी हिंदू मंदिरों में से, बेसकिह यहां पर सबसे बड़ा और सबसे पवित्र मंदिर परिसर है। इसके प्रवेश द्वार से जो एक सीढ़ी की तरह लगता है जो आपको सीधे स्वर्ग में ले जाता है। यकीन मानिए, यहां का वातावरण आपको निश्चित रूप से विस्मय कर देगा! बाली, इंडोनेशिया के सभी मंदिरों में, यह निश्चित रूप से बाली के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है।

शहर की भागदौड़ से ब्रेक चाहते हैं तो घूम आइए हिमाचल की इन जगहों पर

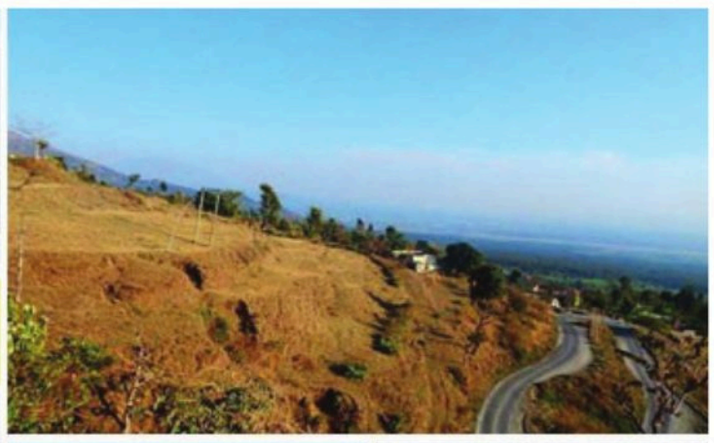

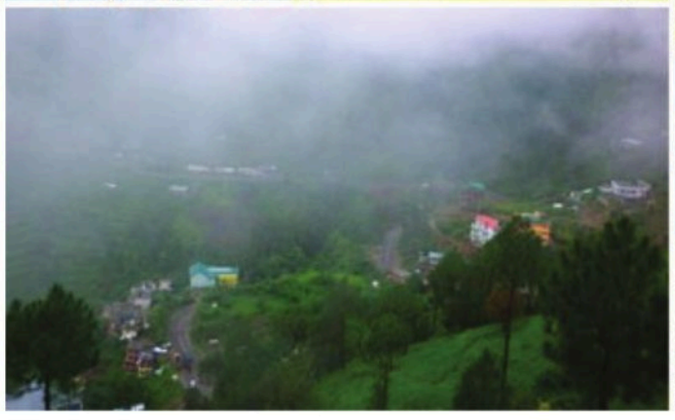

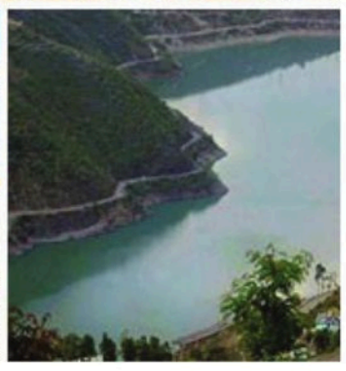

हिमाचल प्रदेश देश की सबसे सुंदर जगहों में से एक है। यह राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता, शुद्ध और शांत वातावरण और प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों के लिए जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश में बहुत से हिल स्टेशन हैं जहाँ देश-विदेश से लोग घूमने आते हैं। यहाँ के ऊंचे पहाड़, खुले हरे मैदान, प्राचीन मंदिर-मठ और नीले पानी की झील नदियाँ पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। शहरों की भीड़-भाड़ और शोर-गुल भरी ज़िंदगी से दूर यहाँ का शांत वातावरण पर्यटकों को शांति प्रदान करता है। आज के इस लेख में हम आपको हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध हिल स्टेशनों की जानकारी देंगे। अगर आप भी घूमने का प्लान बना रहे हैं तो इन जगहों को अपनी लिस्ट में ज़रूर शामिल करें-

शिमला

शिमला हिमाचल प्रदेश की राजधानी होने के साथ-साथ हिमाचल का सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशन भी है। 2200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह देश की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। शिमला का मॉल रोड, रिज, टॉय ट्रेन यहाँ आने वाले पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। शिमला में कई ऐतिहासिक मंदिर और इमारतें भी हैं जिसे देखने दूर-दूर से लोग यहाँ आते हैं। इस शहर की सुंदरता और शुद्ध वातावरण यहाँ आने पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

मनाली

मनाली हिमाचल प्रदेश के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है। मनाली हिमाचल के कुल्लू जिले का एक हिस्सा है और यह पीर पंजाल और धौलाधार पर्वतमाला के बर्फ से ढकी ढलानों के बीच स्थित है। समुद्र तल से 1950 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह हिल स्टेशन अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए मशहूर है। यहाँ के हरे-भरे जंगल, फूलों से सजे मैदान और नदी में बहता ताज़ा पानी पर्यटकों को इस जगह से प्यार करने पर मजबूर कर देता है। यहाँ आकर पर्यटकों को सुकून मिलता है। इस हिल स्टेशन में कई मंदिर, संग्रहालय और प्रसिद्ध गाँव हैं। पर्यटक यहाँ पर ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों पर ट्रेक्किंग करते हैं और यहाँ की सुंदरता का आनंद लेते हैं।

धर्मशाला

काँगड़ा घाटी से 17 किलोमीटर दूर स्थित धर्मशाला हिमचाल प्रदेश के सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशनों में से एक है। यहाँ के बर्फ से ढके धौलाधार पर्वत श्रृंखला इस जगह की खासियत हैं और इसे देश के सबसे खूबसूरत पर्यटक स्थलों में से एक है बनाते हैं। धर्मशाला को दलाई लामा के पवित्र निवास स्थान के रूप में भी जाना जाता है। इस शहर को अलग-अलग ऊंचाई के साथ दो हिस्सों में बाँटा गया है। इसके निचले हिस्से में धर्मशाला शहर और ऊपरी हिस्से को मैकलोडगंज के नाम से जाना जाता है। धर्मशाला में तिब्बती संस्कृति देखने को मिलती है और यहाँ बौद्ध धर्म के कई पवित्र स्थल हैं।

स्पीति घाटी

समुद्री तल से 12,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित स्पीति घाटी हिमाचल प्रदेश की सबसे प्रसिद्ध जगहों में से एक है। यह घाटी चारों ओर से हिमालय से घिरी हुई है जो इस जगह को बेहद खास बनाते हैं। स्पीति घाटी में ठंडे रेगिस्तान, बर्फ से ढके पहाड़, घुमावदार सड़कें और सुरम्य घाटियाँ हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। यह जगह यहाँ आने वाले पर्यटकों को उत्साह और रोमांच से भर देती है। स्पीति घाटी देश की सबसे ठंडी जगहों में से एक है और यह जगह साल के लगभग 6 महीने मोटी बर्फ से ढकी होती है।

कसौली

कसौली हिमाचल प्रदेश के सबसे मशहूर हिल स्टेशनों में से एक हैं। यह चंडीगढ़ से शिमला के रास्ते में स्थित एक छोटा सा पहाड़ी शहर है जो हिमालय पर्वत के निचले किनारों पर बसा हुआ है। हिमाचल के दक्षिण-पश्चिम भाग में स्थित कसौली शहरों की भीड़ और चकाचौंध से दूर बसा हुआ एक शांतिपूर्ण शहर है। देवदार के सुंदर जंगलो के बीच बसा कसौली शहर अंग्रेज़ों द्वारा बनाई गई भव्य विक्टोरियन इमारतों के लिए मशहूर है। कसौली की प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण इसे हिमाचल के सबसे खास पर्यटन स्थलों में से एक बनाता है।

किन्नौर

शिमला से लगभग 235 किलोमीटर की दूरी पर स्थित किन्नौर हिमाचल प्रदेश के सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशनों में से एक है। यह जगह को लैंड ऑफ़ गॉड के नाम से प्रसिद्ध है। किन्नौर सतलुज, बसपा और स्पीति नदी के बीच स्थित है और यह जगह अपने हरे-भरे मैदानों और चट्टानी पहाड़ों की सुंदरता के लिए काफी मशहूर है। किन्नौर का किन्नर कैलाश पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है और यहाँ आए पर्यटक किन्नर कैलाश देखने जरुर जाते हैं। माना जाता है कि किन्नर कैलाश भगवान शिव और शिवलिंग का है और इसके साथ ही इस पर्वत का संबंध पांडवों की कहानियों से बताया जाता है। किन्नौर में कई पुराने बौद्ध मठ और मंदिर भी हैं जो बहुत पवित्र माने जाते हैं और इन्हें देखने दूर-दूर से पर्यटक यहाँ आते हैं।

मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन है 'पचमढ़ी', घूमने के लिहाज से है बेहतरीन

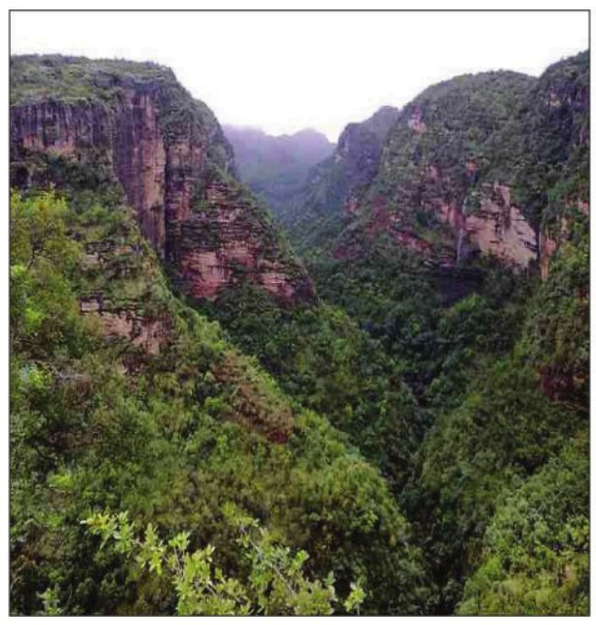

मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन, पचमढ़ी मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन है। इसे लोकप्रिय रूप से सतपुड़ा की रानी या क्वीन ऑफ़ सतपुड़ा कहा जाता है। यह हिल स्टेशन 1110 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और यूनेस्को बायोस्फीयर रिजर्व का हिस्सा है। यह हिल स्टेशन भारतीय इतिहास में भी एक पौराणिक महत्व रखता है। माना जाता है कि यह पांडवों के निर्वासन के दौरान उनका निवास स्थान था। पचमढ़ी पर्यटन स्थलों में कई गुफाएं, झरने, पहाड़ियां, मंदिर और वन्यजीव अभ्यारण्य शामिल हैं जो मध्य प्रदेश के इस खूबसूरत हिल स्टेशन को पर्यटकों के बीच लोकप्रिय बनाते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पंचमढ़ी के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों की जानकारी देंगे -

पांडव गुफाएं

पचमढ़ी में घूमने के लिए पांडव गुफाएं सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। शानदार सतपुड़ा पर्वतमाला की पृष्ठभूमि के साथ, पांडव गुफा 5 रॉक-कट बौद्ध मंदिरों का एक समूह है। पौराणिक स्रोतों से पता चलता है कि पांडव अपने निर्वासन के दौरान इन मंदिरों में रुके थे, इसलिए इसका यह नाम पड़ा। 9वीं शताब्दी में बने इन मंदिरों को सुंदर मूर्तियों और नक्काशी से सजाया गया है।

बी फॉल्स

बी फॉल्स, पचमढ़ी में स्थित एक खूबसूरत झरना है। इसे जमुना प्रपात के नाम से भी जाना जाता है। यह जलप्रपात पचमढ़ी घाटी के लिए पीने का पानी उपलब्ध कराता है। यह झरना एक सुंदर भनभनाहट के साथ बहता है इसलिए इसे बी फॉल्स के नाम से जाना जाता है। स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटकों के बीच, बी फॉल्स एक लोकप्रिय पिकनिक स्पॉट के तौर पर प्रसिद्ध है। बी फॉल्स में लोग अक्सर तैराकी के लिए जाते हैं। रोमांच पसंद करने वाले लोग धारा को पार करके, बी फॉल्स के माध्यम से दूसरे स्नान कुंड रजत प्रपात तक पहुंच सकता है।

जटा शंकर गुफाएं

जटा शंकर गुफाएं, पचमढ़ी के सबसे पवित्र स्थलों में से एक हैं। प्रचलित लोककथाओं के अनुसार, यह वह स्थान माना जाता है जहां भगवान शिव ने भस्मासुर के प्रकोप से खुद को छुपाया था। जटा शंकर गुफाएं एक विशाल चट्टान की छाया के नीचे एक प्राकृतिक शिवलिंगम का दावा करती हैं। इसके साथ ही, गुफा में पत्थर का निर्माण शेषनाग से मिलता जुलता है। वहीं, गुफाओं में चट्टान का निर्माण भगवान शिव के उलझे हुए बालों से मिलता जुलता है, इसलिए इसका यह नाम पड़ा।

धूपगढ़

धूपगढ़, सतपुड़ा श्रेणी का सबसे ऊँचा शिखर है, जिसकी ऊंचाई 1350 मीटर है। यह न केवल पचमढ़ी का उच्चतम बिंदु है बल्कि मध्य प्रदेश और मध्य भारत का उच्चतम बिंदु भी है। पचमढ़ी में सूर्यास्त देखना एक अद्भुत अनुभव है। इसके अलावा, यह स्थान एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल भी है। पर्यटकों के बीच, धूपगढ़ घूमने का सबसे अच्छा मौसम मानसून के दौरान होता है। बारिश के मौसम में यह स्थान बादलों से आच्छादित होता है।

बड़ा महादेव गुफा

बड़ा महादेव गुफा, पचमढ़ी से लगभग 10 किमी दूर स्थित है। यह भगवान महादेव का एक पवित्र तीर्थ है। यह 60 फीट लंबी गुफा है, जिसके अंदर भगवान ब्रह्मा, भगवान विष्णु और भगवान गणेश के भी मंदिर हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, बड़ा महादेव गुफा वह स्थान है जहां भगवान विष्णु ने एक दिव्य सौंदर्य मोहिनी का रूप लेकर राक्षस भस्मासुर का वध किया था। इसमें गुफा से लगातार पानी गिरता रहता है जो एक कुंड में जमा हो जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस कुंड में स्नान करने से कई बीमारियों का इलाज होता है।

रजत प्रपात

रजत प्रपात, पचमढ़ी का सबसे बड़ा जलप्रपात है। इस जलप्रपात का नाम रजत प्रपात इसलिए पड़ा क्योंकि जब इस पर सूरज की रोशनी पड़ती है तो यह चांदी के रंग में चमकता है। रजत प्रपात को 'सिल्वर फॉल' के नाम से भी जाना जाता है। यह झरना 107 मीटर की ऊँचाई से गिरता है। यह भारत का 30वां सबसे ऊंचा जलप्रपात है। रजत प्रपात को सतपुड़ा की रानी कहा जाता है।

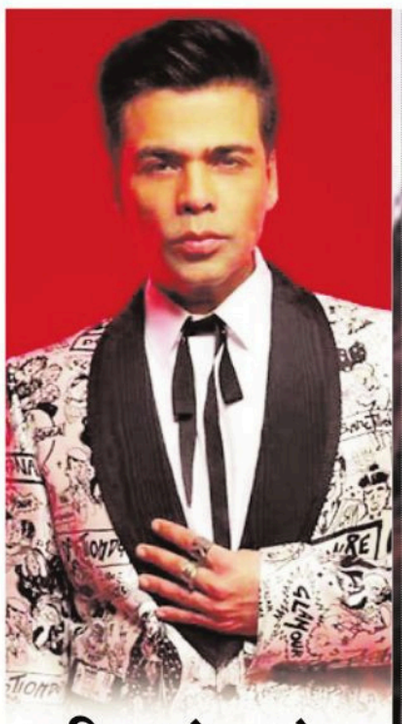

आदित्य चोपड़ा के विश्वास ने मुझे डायरेक्टर बनाया

मशहूर निर्देशक-निर्माता करण जौहर ने सोशल मीडिया के जरिए अभिनेता शाहरुख खान और निर्देशक आदित्य चोपड़ा का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि वे आज जो कुछ भी हैं, इन दोनों की बदौलत हैं। करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर शाहरुख और आदित्य चोपड़ा के साथ तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें उन्होंने लिखा, 'दो बातों ने मेरी पूरी जिंदगी को बदलकर रख दिया।' करण ने पहली बात को समझाते हुए लिखा, 'रात के लगभग 1 बजे आदित्य चोपड़ा ने मुझे फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में साथ काम करने के लिए कहा। साथ ही, सुझाव दिया कि मुझे निर्देशन में जाना चाहिए और अगर मैंने इस रास्ते को नहीं चुना, तो मैं बहुत बड़ी गलती करूंगा। उस समय मेरी जिंदगी हमेशा एक भागदौड़ जैसी चल रही थी और मैं आगे की पढ़ाई के लिए विदेश जाने वाला था।'
करण ने बताया कि आदित्य की बात ने उन्हें पूरी रात सोने नहीं दिया और अगली सुबह वे अपने पिता के पास एक साल की मोहलत मांगने के लिए गए। उन्होंने लिखा, 'आदित्य की बात ने मुझे इस कदर प्रभावित किया कि मैं अगली सुबह अपने पिता जी के पास गया और उनसे अपनी जिंदगी का एक साल मांगा। मैंने कहा कि मैं एक साल फिल्म के सेट पर काम करना चाहता हूं। मेरे पिता ने मेरी आंखों में देखा और पूछा, 'बेटा, क्या तुम्हें पता है कि फिल्म के सेट पर क्या करना होता है?'' मैंने साफ कहा, 'नहीं।' फिर उन्होंने पूछा, 'क्या तुम वादा करोगे कि तुम बहुत मेहनत करोगे और हर निर्देश को ध्यान से मानोगे?' इसके बाद उन्होंने कहा, 'यह तुम्हें एक अच्छा प्रोड्यूसर बना सकता है लेकिन डायरेक्टर बनने के लिए सिर्फ और सिर्फ जुनून की जरूरत होती है।'
करण जौहर ने बताया कि उस समय उनके अंदर काम करने का जुनून था, लेकिन भरोसा नहीं था। वो भरोसा आदित्य चोपड़ा को था। उन्होंने अपना दूसरा वाक्य साझा करते हुए लिखा, 'मैं स्विट्जरलैंड की पहाडों को देख रहा था और ऐसा लग रहा था कि जैसे मुझे अपने घर की याद आ रही है और मुझे थोड़ी सहानुभूति चाहिए। तभी शाहरुख खान मेरे पास आए और उन्होंने कहा, 'तू डायरेक्टर बनेगा और तेरी पहली फिल्म मैं करूंगा। मैंने मन ही मन सोचा कि शायद इतनी ऊंचाई पर कम ऑक्सीजन की वजह से वह ऐसा कह रहे हैं और शायद उन्हें पूरी तरह एहसास नहीं है कि वह क्या बोल रहे हैं।' करण ने बताया कि शाहरुख इस बात को लेकर इतने गंभीर थे कि भारत लौटने के बाद उन्होंने करण के पिता से बात की थी।

डेंटिस्ट बनने का दबाव, क्राइम रिपोर्टर बनने की चाह, फिल्मों से जुड़ा 'किस्मत कनेक्शन'

बॉलीवुड और साउथ फिल्मों की मशहूर एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर आज करोड़ों लोगों के दिलों पर राज करती हैं। लेकिन, उनका पहला सपना फिल्मों में आने का नहीं था, वह टीवी पर आना चाहती थीं, लेकिन एक अभिनेत्री के रूप में नहीं, बल्कि क्राइम रिपोर्टर बनकर। समय के साथ हालात बदले, फैसले बदले और फिर उन्होंने ऐसा सफर तय किया, जिसने उन्हें टीवी से लेकर बॉलीवुड और साउथ सिनेमा तक एक खास पहचान दिला दी। उनके पिता चाहते थे कि वह डेंटिस्ट बनें, लेकिन उनका मन किसी और फील्ड में था। उन्हें खबरों की दुनिया पसंद थी और उनका सपना क्राइम रिपोर्टर बनने का था। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि वह क्राइम रिपोर्टर बनना चाहती थीं। इसके लिए उन्होंने मास मीडिया की पढ़ाई भी चुनी, लेकिन पढ़ाई के दौरान ही उनकी जिंदगी ने नया मोड़ ले लिया। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान मृणाल को टीवी सीरियल का ऑफर मिला। यह फैसला शुरुआत में उनके परिवार को पसंद नहीं आया। उन्हें लगता था कि पढ़ाई पूरी करना ज्यादा जरूरी है। लेकिन, मृणाल ने अपने परिवार को समझाया और आखिरकार अभिनय की दुनिया में कदम रख दिया। साल 2012 में उन्होंने टीवी सीरियल 'मुझसे कुछ कहती... ये खामोशियां' से अपने करियर की शुरुआत की। इसके बाद वह 'अर्जुन' में नजर आईं। हालांकि, उन्हें सबसे बड़ी पहचान 'कुमकुम भाग्य' में बुलबुल अरोड़ा के किरदार से मिली। इस शो ने उन्हें घर-घर में लोकप्रिय बना दिया और लोगों ने उनके अभिनय को खूब पसंद किया। टीवी पर सफलता मिलने के बाद मृणाल ने फिल्मों की ओर कदम बढ़ाया। सबसे पहले उन्होंने मराठी फिल्मों 'हैलो नंदन', 'विट्टी दांडू' और 'सुराज्य' में काम किया। इसके बाद साल 2018 में फिल्म 'लव सोनिया' से हिंदी फिल्मों में एंट्री की। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल नहीं कर पाई, लेकिन मृणाल के अभिनय की काफी तारीफ हुई। साल 2019 मृणाल के करियर का बड़ा मोड़ साबित हुआ। इसी साल वह ऋतिक रोशन के साथ 'सुपर 30' और जॉन अब्राहम के साथ 'बाटला हाउस' में नजर आईं। दोनों फिल्मों ने उन्हें बड़े पर्दे पर मजबूत पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने 'तूफान', 'धमाका', 'जर्सी', 'गुमराह', 'पिप्पा' और कई दूसरी फिल्मों में काम किया।
मृणाल ठाकुर के करियर को सबसे बड़ी उड़ान तेलुगु फिल्म 'सीता रामम' से मिली। इस फिल्म में उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा। इसके बाद 'हाय नन्ना' में भी उन्होंने शानदार काम किया और दक्षिण भारतीय सिनेमा में भी अपनी मजबूत पहचान बना ली। मृणाल ने अपनी निजी जिंदगी के संघर्षों के बारे में भी खुलकर बात की है। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि करियर की शुरुआत में वह भविष्य को लेकर काफी परेशान रहती थीं। पढ़ाई, परिवार की उम्मीदें और करियर की अनिश्चितता के बीच कई बार वह खुद से सवाल करती थी। बाद में उन्होंने इन मुश्किलों का सामना किया और अपने काम पर पूरा ध्यान दिया।

उन्होंने बताया कि शुरुआती दिनों में छोड़े कई फिल्मों के ऑफर

उन्होंने बताया कि शुरुआती दिनों में उन्होंने कई फिल्मों के ऑफर इसलिए छोड़ दिए क्योंकि उनमें इंटीमेट सीन थे और वह उस समय ऐसे सीन्स को लेकर सहज नहीं थीं। बाद में उन्होंने अपने परिवार से खुलकर बातचीत की और अपने पेशे की जरूरतों को समझाया। अपने अभिनय के दम पर मृणाल ठाकुर ने कई सम्मान भी हासिल किए हैं। उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड साउथ, फिल्मफेयर ओटीटी अवॉर्ड, साउथ इंडियन इंटरनेशनल मूवी अवॉर्ड्स और इंडियन टेलीविजन एकेडमी अवॉर्ड सहित कई पुरस्कार मिल चुके हैं।

इश्कनामा और नसीमा को मिले बेशुमार प्यार पर बोलीं शहनाज़ गिल

मुंबई इश्कनामा की रिलीज़ के बाद शहनाज़ गिल इन दिनों फैंस के बेशुमार प्यार में डूबी हुई हैं। फिल्म में उनके निभाए नसीमा के किरदार ने दर्शकों के दिलों को गहराई से छू लिया है। उनकी सादगी, जज़्बात और दमदार अदाकारी की हर तरफ़ तारीफ़ हो रही है। दुनिया भर से लगातार मिल रहे प्यार और सराहना ने इस सफर को उनके लिए और भी खास बना दिया है। इस जबरदस्त रिस्पॉन्स से भावुक होकर शहनाज़ ने फिल्म देखने और उन्हें इतना प्यार देने वाले सभी फैंस के लिए एक दिल छू लेने वाला संदेश साझा किया। उन्होंने कहा, थैंक यू, थैंक यू एवरीवन। मैं अपनी फीलिंग्स बयां ही नहीं कर सकती। आपने इश्कनामा और मेरे किरदार को जितना प्यार दिया है... उसके लिए मैं आपका जितना शुक्रिया अदा करूं, उतना कम है। ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। थैंक यू, थैंक यू सो मच। नसीमा के किरदार को जिस तरह दर्शकों ने अपनाया है, वह शहनाज़ के लिए बेहद खास रहा है। कई लोगों का मानना है कि इश्कनामा में उन्होंने अब तक की अपनी सबसे दिल छू लेने वाली परफॉर्मेंस दी है। फिल्म में उनका भावनात्मक सफर दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ रहा है और उनकी फिल्मी यात्रा में एक और यादगार किरदार जोड़ रहा है। इश्कनामा लगातार दर्शकों का दिल जीत रही है और शहनाज़ का यह संदेश उन तमाम फैंस के लिए उनकी दिल से निकली कृतज्ञता है, जिन्होंने फिल्म के साथ-साथ नसीमा को भी भरपूर प्यार दिया।

विक्की जैन ने शुरू किया प्रोडक्शन हाउस टाइगर श्रॉफ के साथ बनाएंगे एक्शन फिल्म

विक्की जैन ने प्रोडक्शन हाउस लॉन्च किया है। उनके VJ Frames नाम से प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनने वाली पहली फिल्म में टाइगर श्रॉफ नजर आएंगे। इस एक्शन फ्रैंचाइजी के निर्देशन की जिम्मेदारी रेमो डिसूजा संभालेंगे।

एल्विश यादव और अभिषेक बनर्जी भी आएंगे नजर

विक्की जैन चर्चित टीवी अभिनेत्री अंकिता लोखंडे के पति हैं। विक्की अब फिल्म निर्माता की कुर्सी पर बैठेंगे। अपने बैनर की पहली एक्शन फिल्म में उन्होंने टाइगर श्रॉफ को साइन किया है। उनके अलावा अभिषेक बनर्जी और एल्विश यादव भी नजर आएंगे।

शुरू हुई शूटिंग, टाइटल तय नहीं

अपने प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले विक्की जैन पहली फिल्म एक्शन फ्रैंचाइजी बना रहे हैं। हालांकि, फिलहाल इसका टाइटल तय नहीं हुआ है। आज शनिवार से इसकी शूटिंग शुरू हो गई है। अभिनेत्री और विक्की जैन की पत्नी अंकिता लोखंडे ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। इसी के साथ प्रोडक्शन हाउस शुरू करने पर शुभकामनाएं भी दी हैं।

टाइगर श्रॉफ वर्क फ्रंट

टाइगर श्रॉफ के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें साजिद नाडियाडवाला की 'बागी 4' में देखा गया था। फिल्म बीते साल सितंबर में रिलीज हुई थी। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर यह सफलता हासिल नहीं कर पाई। वहीं, रेमो डिसूजा की बात करें तो उनके निर्देशन में बनी आखिरी फिल्म अभिषेक बच्चन अभिनीत 'बी हैप्पी' थी।

एक जैसे किरदार नहीं करना चाहती, अच्छे काम को देती हूं प्राथमिकता

कुछ किरदार सिर्फ पर्दे पर नहीं रहते, कलाकार के भीतर भी बस जाते हैं। अभिनेत्री महिमा मकवाना के लिए 'मुसाफिर कैफे' की 'प्रीति' ऐसा ही किरदार रही। महिमा कहती हैं कि इस रोल ने उन्हें खुद को स्वीकार करना और खुद से प्यार करना सिखाया। बातचीत में उन्होंने अपने करियर, इंटीमेट सीन्स, टीवी से फिल्मों तक के सफर और मसूरी में अपने डॉग के नाम पर 'परिंदा कैफे' खोलने के सपने पर खुलकर बात की।
महिमा कहती हैं कि 'मुसाफिर कैफे' की स्क्रिप्ट पढ़ते ही उन्हें लगा कि वह प्रीति का किरदार निभाना चाहती हैं। 'जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी, तभी मुझे लगा कि मुझे प्रीति ही बनना है। वह बहुत एस्पिरेशनल है। सोलो ट्रैवल करती है, अपने आसपास के लोगों को अपनापन महसूस कराती है, बहुत अच्छी लिस्नर है और बेहद इमोशनली इंटेलिजेंट है। अगर मुझे कभी असल जिंदगी में प्रीति मिले, तो मैं उससे दोस्ती जरूर करना चाहूंगी। वह ऐसी इंसान है, जो आपको रास्ता भी दिखाएगी और यह भी महसूस कराएगी कि आप अकेले नहीं हैं।'
महिमा के लिए 'प्रीति' सिर्फ एक रोल नहीं रही। वह मानती हैं कि इस किरदार ने उनकी निजी जिंदगी पर भी असर डाला ..'मुझे पहले खुद को स्वीकार करना बहुत मुश्किल लगता था। आसपास का शोर और लोगों की बातें कहीं न कहीं असर करती थीं। लेकिन प्रीति ने मुझे खुद को एक्सेप्ट करना सिखाया। उसने मुझे खुद से प्यार करना सिखाया। मुझे एहसास हुआ कि जब तक आप खुद को आजादी नहीं देंगे... तब तक आप अपने आसपास के लोगों को भी आजादी महसूस नहीं करा पाएंगे। मेरे लिए इससे बड़ा गिफ्ट कोई नहीं हो सकता। मैं यह सिर्फ फिल्म प्रमोट करने के लिए नहीं कह रही हूं। मुझे सच में लगता है कि प्रीति मेरे करियर का सबसे यादगार किरदार रहेगी।'

25 की उम्र तक लगा था, जिंदगी के सारे जवाब मिल जाएंगे

जिंदगी और करियर के इस सफर ने महिमा का नजरिया भी बदला है। वह कहती हैं कि उम्र के साथ हर सवाल का जवाब नहीं मिलता, लेकिन सोच जरूर बदल जाती है 'मुझे लगता था कि 25-26 साल की उम्र तक सब कुछ समझ आ जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं होता। जिम्मेदारियां बढ़ती रहती हैं। जिंदगी में शोर हमेशा रहेगा। फर्क सिर्फ इतना है कि अब मैंने उसके बीच खुद को संभालना सीख लिया है। डर और इंसिक्योरिटी कई बार हमारे दिमाग में ऐसी कहानियां बना देते हैं, जो असल में होती ही नहीं हैं। इसलिए उन विचारों को ज्यादा ताकत नहीं देनी चाहिए। यह सुनने में थोड़ा फिलॉसॉफिकल लगता है, लेकिन यही मेरी रोज की प्रैक्टिस है।' 'मेडिटेशन ने मुझे जिंदगी के शोर से बाहर निकलना सिखाया'।

टीवी से फिल्मों तक का सफर आसान नहीं था, मुझे 15 साल लग गए

सीरीज में में महिमा मकवाना और विक्रांत मैसी पहली बार साथ नजर आए हैं। दोनों ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत टेलीविजन से की थी। महिमा मानती हैं कि आज इंडस्ट्री का नजरिया बदल रहा है और यह प्रोजेक्ट भी उसी बदलाव की एक मिसाल है। 'मेरे लिए विक्रांत मैसी, सुशांत सिंह राजपूत, मृणाल ठाकुर और शाहरुख खान हमेशा प्रेरणा रहे हैं। आप टीवी से आए हों, थिएटर से या कहीं और से... अगर आपके पास मेहनत, धैर्य और साफ विजन है, तो कुछ भी नामुमकिन नहीं है। मुझे यहां तक पहुंचने में 15 साल लगे हैं। कई बार मुश्किल फैसले लेने पड़े। लेकिन अब वह दौर चला गया है, जब टीवी एक्टर्स को कमतर समझा जाता था। हमारा प्रोजेक्ट भी उसी बदलाव की मिसाल है।'

अच्छे काम को देती हूं प्राथमिकता

करियर के फैसलों को लेकर भी महिमा जल्दबाजी में यकीन नहीं रखतीं 'बहुत सारी चीजें हमारे कंट्रोल में नहीं होतीं। लेकिन मेरे फैसले हमेशा सोच-समझकर होते हैं। आखिर में मैं अपने इंस्टिंक्ट की सुनती हूं। मेरी क्लैरिटी बस इतनी है कि मुझे अच्छे लोगों के साथ अच्छा काम करना है। प्लेटफॉर्म मेरे लिए मायने नहीं रखता। अगर दर्शक आपसे जुड़ जाते हैं, तो वही सबसे बड़ी बात है। सीरीज 'शो टाइम' के बाद मेरे पास कई एक जैसे ऑफर आए, लेकिन मैं खुद को दोहराना नहीं चाहती थी। मैं ऐसे किरदार करना चाहती हूं, जिनमें कुछ नया हो और कुछ मीनिंग हो। जब तक मैं खुद किसी किरदार पर भरोसा नहीं करूंगी, उसे ईमानदारी से निभा भी नहीं पाऊंगी।'